Sh.
44

४२५
लघु।

~~पी. सं. 4154~~

4154 - (41)

लघुवृत्ति व्याकरण

35 पृष्ठ

व्याकरण (गुरुमुखी लिपि)

जाउम्

~~[illegible]~~

Sharada

By Krupalakukila
of Kashmir

44
No. ~~51~~



ढिं ढिं कुं कं नि नि कं वं मं ॥ गं दं कं भ्रुं भ्रुं कं दं वं
कं यं ठं ठं कं कं । नि भ्रुं ठं त्रुं त्रुं ठं भ्रुं नि ॥ ०॥
ठं नं णं वि घो चो भ्रो भ्रो घो घो भ्रो भ्रो पि सं तं नुं पि
जं णं नि ॥ [illegible] ॥ हं स्य मि कं लं कं लं कं लं कं लं
ब्रि नि भ्रु व ठि ॥ जि ॥ १ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible] [illegible]
[illegible]
[illegible] [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] [illegible]
[illegible] [illegible]
[illegible]
[illegible] [illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ गणितं ... कमलि ... केवलं तु: किंम
नीयमां ... कश्री ... अथ भव व परे ...॥
प्रचेतीत्वु:॥ रेफो रेफे परे लोपमाप्नोति॥
रेफस्तु: पुनस्तमीदृ: पुनरमन्तरमुंमां॥
मेघमेव व परे ...॥ विसर्जनीयः स
... परे ... प्राप्नोति कस्तु कः सं
कश्चित्: कः ... कः ... कः ...॥
... परे लोपं ... ॥ ... परः
विसर्जनीयः ... परे लोपं प्राप्नोति॥
... ॥ ...
...॥ ... परे विसर्जनीयः लो
पं: ... प्राप्नोति ... ॥ ... : ...
... ॥ ... लयं॥
... परः विसर्जनी ... परे लोपं
प्राप्नोति ...॥ ... परे॥
... परे विसर्जनी ... प्राप्नोति॥ ...
२ ...॥ ... परः॥ ... परः
० विसर्जनी ... परे ... माप्नोति॥

सश्रिगः सश्रिनः सपीरकूर्डि। सनरूयवि
भसूमुमकं कयवसये:॥ सनूउपट
सूकूनरूयकरअदेशिसन: कापपदे
श्रमकरभश्रूिं सयसूर: सयसूसू: सय।
सूस: सयसूभ: सयसूंभ: सयसूरू:
सयभदं सनूउपरसूक्षि उपपय:क
भ: सूकरमूपिसोसूउ ऽसूर: कापपदेश
किं सयेधन: पयेविसू: सनरूयसूकिं।
सूकूभ:॥ विसनभद्रि:॥ भद्रिश्रकर्भम
भन्नभौ॥ ॥ ित्नम: भरभूहै:॥ ठि॥ ॥